# हरियाणा में किसान फैक्टर

## चर्चा में क्यों

हाल ही में, हरियाणा के विधानसभा चुनावों में किसानों में अशांति एक प्रमुख मुद्दा बन गया है, जो राज्य की [कृषि अर्थव्यवस्था](#) की उभरती गतिशीलता को उजागर करता है

### प्रमुख बिंदु

- **कृषि और रोज़गार:** राज्य के [सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन (GSVA)](#) में कृषि की हिस्सेदारी के मामले में हरियाणा **8वें स्थान** पर है, वर्ष 2022-23 के GSVA आँकड़ों के अनुसार यह **लगभग 18%** है।
  - हालाँकि, कुल कार्यबल में कृषि की हिस्सेदारी के मामले में, [आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) 2022-23](#) के अनुसार **लगभग 32%**, हरियाणा **15वें स्थान** पर है।
  - समग्र उत्पादन और रोज़गार दोनों में कृषि का अपेक्षाकृत कम हिस्सा होने के बावजूद, **प्रति कृषि श्रमिक** कृषि में सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन (GSVA) के मामले में हरियाणा, **पंजाब के बाद भारत में दूसरे स्थान पर** है।
  - इससे पता चलता है कि भारत के अन्य राज्यों की तुलना में **हरियाणा में कृषि एक महत्त्वपूर्ण उच्च मूल्य वाली गतिविधि** है।
- **हरियाणा के लिये कृषि परिवारों की स्थिति आकलन सर्वेक्षण:** [सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय](#) के तहत [राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO)](#) द्वारा [स्थिति आकलन सर्वेक्षण](#) आयोजित किया गया था। यह डेटा मुख्य रूप से वर्ष 2018-19 के सर्वेक्षण से है, जिसमें वर्ष 2021-22 से कुछ अपडेट उपलब्ध हैं।
  - हरियाणा में कुल परिवारों में से लगभग **14.7% कृषि परिवार** हैं।
  - **हरियाणा में कृषि परिवारों** की औसत मासिक आय लगभग **23,000 रुपए** है।
    - कृषि परिवारों की कुल आय का लगभग **48%** हिस्सा कृषि गतिविधियों से आता है।
      - **हरियाणा में [गेहूँ](#) और चावल** जैसी **प्रमुख फसलों की उत्पादकता** उच्च है, तथा उपज प्रायः राष्ट्रीय औसत से अधिक होती है।
      - कृषि कार्यबल का एक बहुत बड़ा हिस्सा **मौसमी श्रम और** [आकस्मिक रोज़गार](#) में लगा हुआ है

## आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण

- **परिचय:**
  - यह भारत में रोज़गार और बेरोज़गारी की स्थिति का आकलन करने के लिये **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के तहत NSO** द्वारा किया गया एक सर्वेक्षण है।
  - NSO ने **अप्रैल 2017 में PLFS का शुभारंभ किया।**
- **PLFS का उद्देश्य:**
  - **'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (CWS)** में केवल **शहरी क्षेत्रों के लिये तीन महीने के** लघु समय अंतराल में प्रमुख रोज़गार और बेरोज़गारी संकेतकों **(अर्थात श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोज़गारी दर) का अनुमान** लगाना।
  - ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में **'सामान्य स्थिति'** और CWS दोनों में रोज़गार एवं बेरोज़गारी संकेतकों का वार्षिक अनुमान लगाना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/farmer-factor-in-haryana